सांवरी सुरतिया है मुख पे उजाला भजन लिरिक्स

सांवरी सुरतिया है,
मुख पे उजाला,
ऐसा अनोखा मेरा श्याम,
खाटू वाला लीले वाला,
जो भी आया चरणों में,
उसको उबारा हो उबारा,
ऐसा अनोखा मेरा श्याम,
खाटू वाला लीले वाला,
सांवली सुरतिया है,
मुख पे उजाला।bd।

तर्ज – चाँद जैसे मुखड़े पे बिंदिया।

कजरारे चंचल नैनों में,
सूरज चांद का डेरा,
देख के इस पावन मूरत को,
होता जिसका सवेरा,
उसके जीवन की नैया को,
देता किनारा हो किनारा,
ऐसा अनोखा मेरा श्याम,
खाटू वाला लीले वाला,
सांवली सुरतिया है,
मुख पे उजाला।bd।

तीन बाण कांधे पर सोहे,
मोर छड़ी है न्यारी,
जिसके झाड़े से लाखों की,
किस्मत गई सँवारी,
लीले की असवारी करता,
मोरवी का लाला मुरलीवाला,
ऐसा अनोखा मेरा श्याम,
खाटू वाला लीले वाला,
सांवली सुरतिया है,
मुख पे उजाला।bd।

खाटू में दरबार लगाए,
कलयुग के भी अवतारी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

वीर बर्बरीक नाम है जिसका,
माँ का आज्ञाकारी,
हारे का साथी है 'गिरधर',
देता सहारा हो सहारा,
ऐसा अनोखा मेरा श्याम,
खाटू वाला लीले वाला,
सांवली सुरतिया है,
मुख पे उजाला।bd।

सांवरी सुरतिया है,
मुख पे उजाला,
ऐसा अनोखा मेरा श्याम,
खाटू वाला लीले वाला,
जो भी आया चरणों में,
उसको उबारा हो उबारा,
ऐसा अनोखा मेरा श्याम,
खाटू वाला लीले वाला,
सांवली सुरतिया है,
मुख पे उजाला।bd।

– लेखक गायक एवं प्रेषक –
गिरधर महाराज जी।
संपर्क – 9300043737

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com